Dainik Bhaskar (Indore), 13th August 2023, Page - 02

भेरूघाट टनल • खुदाई के बाद अगले चरण में सुरंग की छत को दिया जाएगा यू शेप

सुरंग का ऊपरी हिस्सा पूरा, नीचे काम शुरू नवंबर में किया जाएगा सीमेंट-कांक्रीट वर्क

भास्कर संवाददाता | इंदौर

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा भेरूघाट सेक्शन में बनाई जा रही टनल में बेंचिंग का काम शुरू हो गया है यानी टनल को और खोदकर गहरा किया जा रहा है। इससे सुरंग की ऊंचाई बढ़ेगी। वर्तमान में सुरंग की ऊंचाई 5.5 मीटर है, जिसे खोदकर 8.5 मीटर किया जा रहा है। टनल में ऊपर की तरफ लाइट लगने और सड़क का निर्माण होने के बाद टनल की ऊंचाई आखिर में 7.5 मीटर रह जाएगी।

5.5 मीटर है वर्तमान में टनल की ऊंचाई

7.5 मीटर ऊंचाई रहेगी निर्माण होने के बाद

टनल में खुदाई के लिए न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मैथड का उपयोग किया जा रहा है। खुदाई करने के बाद अगले चरण में इस सुरंग की छत को यू शेप देने के लिए प्रक्रिया शुरू की जाएगी। वर्तमान में खुदाई के साथ-साथ छत में ड्रिलिंग कर कीलें ठोंकी जा रही हैं, ताकि पहाड़ से पत्थर नीचे न गिरें। इसके बाद सीमेंट-कांक्रीट की परत बनाई जाएगी, जिसे शॉटक्रीटिंग कहा जाता है। यह काम नवंबर से शुरू होगा। इसके बाद सुरंग में गैन्ट्री गेट बनाए जाएंगे, जिस पर चढ़कर छत का काम होगा।

बाईग्राम पर भी टनल का काम जारी, एक महीना चलेगा

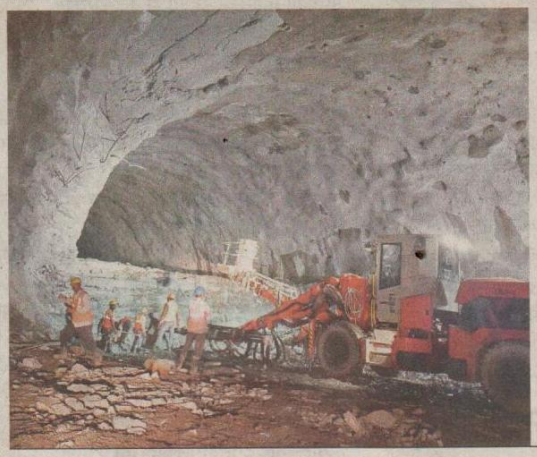

एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुमेश बांझल ने बताया दायीं और बायीं तरफ के लिए अलग-अलग सुरंग बनाई जा रही है। बाईग्राम पर भी टनल का काम चल रहा है। एक तरफ की टनल खुदाई 15-20 दिन में पूरी हो जाएगी। दूसरी तरफ की टनल की खुदाई एक महीने में पूरी होने की संभावना है। भेरूघाट वाली टनल की छत बनाने का काम दिवाली पर शुरू होगा। इसमें पहले तिरपाल से छत को ढंका जाता है और फिर ऊंची गैन्ट्री गेट बनाकर यू शेप में सरिए लगाए जाते हैं। इसके बाद उसी आकार में कांक्रीट भरने का काम शुरू होता है।

आईआईटी के छात्रों ने किया दौरा

शनिवार को आईआईटी इंदौर के सिविल इंजीनियरिंग के 22 छात्र निर्माण स्थल पर पहुंचे। सभी ने कॉन्ट्रैक्टर, एनएचएआई के अधिकारी और कॉलेज के प्रोफेसर के नेतृत्व में चल रहे काम को समझा। उन्होंने न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मैथड के बारे में समझा और साथ ही इस तकनीक और टनल बोरिंग मशीन के बीच के अंतर को भी समझा। इसके साथ ही पूरे प्रोजेक्ट को भी बारीकी से समझा।

यह होती है न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मैथड

न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मैथड (एनएटीएम) सुरंग खोदने का पारंपरिक तरीका है। इसका उपयोग सबसे पहले 1962 में ऑस्ट्रिया के रैजबिज ने किया था। इसका उपयोग उन इलाकों में किया जाता है, जहां मशीन से सुरंग बनाना संभव होता है।